जीएम सरसों में शाकनाशियों का उपयोग करने वाले किसानों के विरुद्ध कार्यवाही हेतु पैनल का गठन

संदर्भ

आनुवंशिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (Genetic Engineering Appraisal Committee’s - GEAC) की उप समिति ने जी.एम. सरसों के वाणिज्यिक उपयोग की अनुमति देने से पूर्व मई,2017 में इससे संबंधित कई सिफारिशों का प्रारूप तैयार किया था| इन सिफारिशों में उन किसानों पर तब तक क़ानूनी कार्यवाही करने की सिफारिश भी शामिल थी जब तक कि उनके द्वारा फसलों पर उपयोग किये जाने वाले ग्लूफोसीनेट (glufosinate) आधारित शाकनाशी (बास्ता) को केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और पंजीकरण समिति (Central Insecticides Board and Registration Committee) से मंजूरी प्राप्त नहीं हो जाती|

समिति के अनुसार, किसान शाकनाशी सहिष्णु जी.एम. सरसों की फसल में विकसित होने वाले कीटों को मारने के लिये शाकनाशियों का प्रयोग कर सकते हैं|

मनुष्यों के लिये हानिकारक

- अमेरिका के राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के अनुसार, ग्लूफोसीनेट आधारित शाकनाशी न्यूरोटोक्सिन (तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करने वाला विष) के रूप में कार्य करते हैं तथा इनका मनुष्यों पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है|

बीटी कॉटन से प्राप्त परिणाम

- गौरतलब है कि कुछ जी.एम. विरोधी कार्यकर्ताओं द्वारा इस संबंध में कुछ प्रश्न भी उठाये है यथा; ये नियामक कितने और कब प्रभावी होंगे?
- उन्होंने समिति का ध्यान बीटी कॉटन से प्राप्त अनुभवों की ओर भी खींचने का प्रयास किया है| बीटी कॉटन देश की ऐसी पहली और एकमात्र जी.एम. फसल थी जिसके वाणिज्यिक उपयोग को मंजूरी प्रदान की गई थी|

आनुवंशिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति का परिचय

- पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्रालय के अधीन यह भारत की सर्वोच्च नियामक संस्था है|
- इसका कार्य पर्यावरण की दृष्टि से अनुसंधान एवं औद्योगिक उत्पादन में खतरनाक सूक्ष्मजीवों और आनुवंशिक सामग्री के टुकड़ों (recombinants) के बड़े पैमाने पर उपयोग संबंधी गतिविधियों की मंजूरी के मामलों पर गौर करना है|
- यह क्षेत्र परीक्षण प्रयोगों समेत पर्यावरण में आनुवंशिक रूप से इंजीनियर किये गए जीवों और उत्पादों को जारी करने संबंधी प्रस्तावों की मंजूरी के लिये भी जिम्मेदार होता है|

ग्लूफोसीनेट

- ग्लूफोसीनेट एक व्यापक स्पेक्ट्रम हर्बीसाइड है, जिसका इस्तेमाल बहुत सी महत्त्वपूर्ण जंगली घासों जैसे – मोर्निंग ग्लोरिएस (morning glories), सेस्बनिया बिस्पिनोसा (Sesbania bispinosa), पोलीगोनम पेंसलिवनिकुम (Polygonum pensylvanicum) तथा येलो नुत्सेज़ (yellow nutsedge) आदि को नियंत्रित करने के लिये किया जाता है|
- पूर्ण प्रभावशीलता को प्राप्त करने के लिये इसका इस्तेमाल पौधों की युवावस्था में किया जाता है|
- ध्यातव्य है कि इसे कुछ प्रसिद्ध नामों यथा ; बास्ता, रिलि, फिनाले, चैलेंज एवं लिबर्टी के तहत बाज़ार में बेचा जाता है|

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/panel-for-action-against-farmers-using-herbicides-on-gm-mustard